Maharaja Surajmal Brij University
Bharatpur

SYLLABUS
B.A. - Hindi (Literature)

III & IV SEMESTER

EXAMINATION -2024-25

As per NEP-2020

डॉ फरबद सिंह
सहायक कुलसचिव

Deen and Convener

(डॉ. नरेश गोयल)

(डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राजस्थान)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)

प्रश्नपत्र - रीतिकाव्य

1 क्रेडिट - 25 अंक
6 क्रेडिट - 150 अंक
प्रश्न पत्र - 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. विद्यार्थियों को रीतिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों से अवगत कराना। 2. रीतिकालीन काव्य तथा कवियों से परिचय कराना। 3. रीतिकालीन साहित्य के स्वरूप, भाषा एवं शैली की विकास यात्रा से अवगत कराना। 4. विद्यार्थियों में संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)	1. रीतिकालीन परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 2. रीतिकालीन प्रमुख कवियों तथा उनकी रचनाधर्मिता से परिचित हो सकेंगे। 3. रीतिकालीन साहित्य सम्बन्धी शोध की नवीन दृष्टि का विकास हो सकेगा।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खंड-अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खंड-ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2,3 एवं 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 काव्यांश (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खंड-स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई - 1

रीतिकाल का सीमांकन एवं नामकरण
रीतिकाल की परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक)
रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ (रीतिबद्ध रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)

इकाई - 2

केशवदास - रामचन्द्रिका (संपादक - लाला भगवानदीन) रावण - अंगद संवाद

डॉ फरबट सिंह
सहायक कुलसचिव

बिहारी - बिहारी रत्नाकर (संपादक - जगन्नाथदास रत्नाकर)

1. मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
2. पाइ महावर दैन कौं नाइनि बैठी आइ।
3. नहिं परागु नहि मधुर मधु नहि बिकासु इहि काल।
4. मगलु बिदु सुरगु, मुखु ससि, केसरि आड गुरु।
5. बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह।
6. तबी-नाद, कबित-रस, सरस राग, रति-रंग।
7. कहत नटत रीझत खिझत, मिलत खिलत लजियात।
8. आवत जात न जानियतु तेजहि तजि सियरानु।
9. बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बडाई पाइ।
10. इत आवति चलि जाति उत चली, छसातक हाथ।

देव

1. झहरि-झहरि झीनी बूंद हैं परति मानौ।
2. डार दुम पलना, बिछौना नव पल्लव के।
3. कालिन्दी-कूल भयो अनुकूल।
4. खेलत फाग खिलार खरे अनुराग भरे बड़भाग कन्हाई।
5. जब तं कुँवर कान्ह ! रावरी कला निधान।

इकाई - 3

भूषण

1. साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धारि सरजा शिवाजी जंग जीतन चलत हैं।
2. कामिनि कंत सौ जामिनि चंद सौ, दामिनि पावस मेघ घटा सौ।
3. उतर पलंग ते न दियो है धरा पै पग, तेऊ सगबग निसि दिन चली जाती हैं।
4. सबन के ऊपर ही ठाढ़ौ रहिबे के जोग, ताहि खरो कियो छ हजारिन के नियरे।
5. ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी, ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।

घनानन्द

1. उर-भौंन में मौन को घूँघट कै दुरि बैठी बिराजति बात बनी।
2. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानैं।
3. परकाजहि देह को धारि फिरौं परजन्य जथारथ ह्वै दरसौं।
4. अति सूधो सनेह को मारग है।
5. अंतर उदेग दाह, आँखिन प्रबाह आँसू।

आलम

1. जा थल कीन्हे बिहार अनेकन, ता थल काँकरी बैठि चुन्यौं करें।
2. चंद को चकोर देखै निसि दिन को न लेखैं....
3. कंचन मै आँच गई चूनो चिनगारी भई...
4. चारु तमाल प्रसून लता किधौं, स्याम घटा सँग बिज्जुल गोरी।
5. गुन रूप निधान बिचित्र बघू, हित प्यारी पिया मधु गंजन की।

डॉ फरबट सिंह
सहायक कुलसचिव

इकाई - 4

पद्माकर

1. कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में....
2. फाग के भीरे अमीरन ते गहि गोबिन्द लै गई भीतर गोरी।
3. देखु 'पदमाकर' गुबिंद की अमित छवि...
4. चपला चलाकै चहूँ ओरन ते चाह-भरी
5. खेलिये फाग निसंक हवै आज मयंकमुखी कहैं भाग हमारो।

सेनापति

1. वृष कौं तरनि तेज सहसो किरन करि
2. सारंग धुनि सुनावैं घन रस बरसावैं...
3. सिसिर तुषार के बुखार से उखारत है
4. कालतै कराल कालकूट कंठ माँझ लसै ...
5. कोह कौं घटाइ, लोभ मोह न मिटाइ काम...

अनुशंसित ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ नगेन्द्र (संपादक) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. रीति काव्यधारा - डॉ. रामचन्द्र तिवारी (संपादक) विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. बिहारी रत्नाकर - श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (संपादक) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिन्दी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. आधुनिक पूर्व हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर
9. रीति कविता - डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर

डॉ फरबट सिंह
सहायक कुलसचिव

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राजस्थान)
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)
प्रश्नपत्र – नाटक एवं गद्य की अन्य विधाएँ

1 क्रेडिट – 25 अंक
6 क्रेडिट – 150 अंक
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं – नाटक, एकांकी रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, आत्मकथा, डायरी लेखन आदि से अवगत कराना। 2. नाटक, एकांकी आदि अन्य गद्य विधाओं के स्वरूप एवं उनकी विकास यात्रा से अवगत कराना। 3. नाटक, एकांकी आदि अन्य गद्य विधाओं की प्रतिनिधि रचनाओं एवं रचनाकारों से परिचय कराना। 4. विद्यार्थियों में नाटक, एकांकी एवं अन्य गद्य विधाओं के अध्ययन द्वारा संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)	1. विद्यार्थी नाटक, एकांकी एवं अन्य गद्य विधाओं के स्वरूप व विकास से परिचित हो सकेंगे। 2. हिन्दी साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं के अध्ययन द्वारा रचनात्मक कौशल का विकास करेंगे। 3. नाटक, एकांकी एवं अन्य गद्य विधाओं का व्यावहारिक प्रयोग करना सीखेंगे। 4. हिन्दी साहित्य की समृद्ध गद्य परम्परा से अवगत होकर विभिन्न रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ,ब,स) में विभक्त है।
खण्ड–अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न हैं, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यकम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड–ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2,3 एवं 4 में निर्धारित पुस्तक/पाठ से कुल 4 गद्यांश (प्रत्येक इकाई से एक अनिवार्य, आन्तरिक विकल्प सहित) व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड–स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबन्धात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

नाटक – परिभाषा एवं तत्व, हिन्दी के प्रमुख नाटक एवं नाटककार
एकांकी – परिभाषा एवं तत्व, हिन्दी की प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकार
संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, आत्मकथा, डायरी लेखन का सामान्य परिचय

(डॉ. इला मिश्रा)

डॉ. नरेश ओबरा

(डॉ. अशोक कुमार गुप्ता)

डॉ परबट सिंह
सहायक कुलसचिव

इकाई-2

नाटक- रक्तकमल - लक्ष्मी नारायण लाल

इकाई-3

एकांकी

उत्सर्ग -रामकुमार वर्मा

सीमा रेखा - विष्णु प्रभाकर

महाभारत की एक साँझ - भारतभूषण अग्रवाल

आत्मकथा - अपनी खबर (केवल शीर्षक अध्याय) - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई-4

रेखाचित्र - सरजू भैया - रामवृक्ष बेनीपुरी

संस्मरण - सुभद्रा - महादेवी वर्मा

यात्रावृत्त - बहता पानी निर्मला - अज्ञेय

रिपोर्ताज - अदम्य जीवन - रांगेय राघव

अनुशंसित ग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - संपादक : डॉ.नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
2. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी एकांकी - सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास -डॉ.अशोक कुमार गुप्ता एवं डॉ.मनोज कुमार गुप्ता, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर

डॉ फरबट सिंह
सहायक कुलसचिव